पाठ 4

अस् धातु के लट् लकार के रूप, शरीर के अंगों के संस्कृत नाम, संस्कृत के विशेषण; 'हाँ नहीं' उत्तरवाले प्रश्न, 'च' का प्रयोग, कुछ स्थानवाचक अव्यय.

4.1 क्रि. संस्कृत क्रियाओं के बारे में हम अगले पाठ से पढ़ना शुरू करेंगे। यहाँ हम **अस्** (होना) धातु के **लट्** लकार (वर्तमान काल) के रूप दे रहे हैं। हम पहले बता आए हैं कि संस्कृत में **'है, हैं, हू;, हो'** के अर्थवाली क्रियाओं को वाक्यों में प्रायः छोड़ दिया जाता है।

	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
प्रथम पु.	(सः) **अस्ति**	(तौ) **स्तः**	(ते) **सन्ति**
मध्यम पु.	(त्वम्) **असि**	(युवाम्) **स्थः**	(यूयम्) **स्थ**
उत्तम पु.	(अहम्) **अस्मि**	(आवाम्) **स्वः**	(वयम्) **स्मः**

टिप्पणी: संस्कृत क्रियाओं के रूप कर्तृवाच्य में **कर्ता** के **पुरुष** और **वचन** के अनुसार बदलते हैं। कर्मवाच्य में ये रूप **कर्म** के पुरुष और वचन के अनुसार बदलते हैं। परन्तु क्रिया के रूप कर्ता या कर्म के **लिंग** के अनुसार नहीं बदलते, जैसे– **बालकः अस्ति, बालिका अस्ति** और **वनम् अस्ति।** (आगे चलकर हम देखेंगे कि जब भूतकालिक कृदन्त का प्रयोग क्रिया के रूप में होता है तो उसका रूप कर्ता या कर्म के लिंग के अनुसार भी बदलता है।)

4.2 शरीर के अंग. शरीर के कुछ अंगों के संस्कृत नाम नीचे दिए गए हैं:

शरीरम्	शरीर	**नेत्रम्**	आँख	**करः**	हाथ
देहः	शरीर	**नासिका**	नाक	**हस्तः**	हाथ
शिरः	सिर	**मुखम्**	मुँह, चेहरा	**अंगुलिः**	उंगली
केशः	बाल	**दन्तः**	दाँत	**पृष्ठम्**	पीठ
श्रोत्रम्	कान	**जिह्वा**	जीभ	**उदरम्**	पेट
कर्णः	कान	**बाहुः**	बाँह	**पादः**	पैर

टिप्पणी: 1) संस्कृत में पर्यायों की बहुलता है। किसी एक चीज़ के लिए प्रायः एक से अधिक शब्दों का प्रयोग होता है। **2) शिरः** शब्द देखने में **बालकः** के समान लगता है परन्तु **शिरः** नपुंसकलिंग शब्द है और इसका प्रातिपदिक रूप **शिरस्** है, यह अकारान्त नहीं है। इसलिए हम इसके रूप **बालक** की तरह नहीं चला सकते।

4.3 प. नीचे दिए गए वाक्यों को बोलकर पढ़िए और उनका हिन्दी में अनुवाद कीजिए:

क. 1. अहं बालक: अस्मि। 2. त्वं बालिका असि। 3. मम नाम रमेश: अस्ति। 4. अत्र मम परिवार:। 5. एष: मम पिता। 6. एषा मम माता। 7. स: युवक: मम भ्राता[1] अस्ति। 8. तस्य नाम विजय:। 9. एतत् चित्रं विजयस्य अस्ति। 10. सा बालिका मम भगिनी[2]। 11. तस्या: नाम कमला। 12. एतत् कमलाया: चित्रम् अस्ति।

ख. 1. एष: मम देह: अस्ति। 2. एतौ मम हस्तौ स्त:। 3. एतौ मम पादौ स्त:। 4. एषा मम नासिका अस्ति। 5. एतौ मम कर्णौ स्त:। 6. एते मम नेत्रे स्त:। 7. एते मम केशा: सन्ति। 8. मम देह: सबल:[3] अस्ति।

(**शब्दार्थ:**- 1. भाई, 2. बहिन, 3. बलवान्)

4.4 वि. संस्कृत विशेषण. संस्कृत में विशेषणों के रूप भी उन संज्ञाओं की तरह चलते हैं जिनकी वे विशेषता बताते हैं। विशेष्य संज्ञा के लिंग, वचन और विभक्ति के अनुसार ही विशेषण के लिंग, वचन और विभक्ति होते हैं। यदि विशेष्य पुंलिंग, प्रथमा विभक्ति, एकवचन में हो तो उसके विशेषण का प्रयोग भी पुंलिंग, प्रथमा विभक्ति, एकवचन में होगा। यदि विशेष्य स्त्रीलिंग, षष्ठी विभक्ति, बहुवचन में हो तो उसके विशेषण का प्रयोग भी स्त्रीलिंग, षष्ठी विभक्ति, बहुवचन में होगा; जैसे– **विशाल: वृक्ष:, विशालानां वाटिकानाम्।**

नीचे कुछ अकारान्त विशेषण दिए गए हैं। अन्त के अ को आ में बदलने से इनका स्त्रीलिंग रूप बन जाता है, जैसे प्रसन्ना बालिका। नपुंसकलिंग में इनके रूप वन के अनुसार चलते हैं। विशेष्य के लिंग, विभक्ति और वचन के अनुसार ही विशेषण के लिंग, विभक्ति और वचन होते हैं। (**प्रसन्ना: बालिका:, प्रसन्नस्य बालकस्य, प्रसन्नानां बालकानाम्**)।

सरल	**उष्ण (गरम)**	**प्रसन्न**	**सबल**	**कोमल**
कठिन	**मधुर**	**अमर**	**मनोहर**	**विशाल**
शीतल	**चञ्चल**	**चतुर**	**शान्त**	**परिचित**

4.5 अ. नीचे पहले स्तम्भ में कुछ विशेषण दिए गए हैं। इनके सामने दिए वाक्यों में रिक्त स्थानों को विशेषणों के उपयुक्त रूपों से भरिए। उदाहरण के लिए पहले वाक्य को देखिए

1. चतुर ते बालका: ..... चतुरा: ..... सन्ति।
2. कोमल वृक्षाणां पत्राणि ..... सन्ति।
3. विशाल एते ..... वाटिकाया: वृक्षा:।
4. चञ्चल तत् तस्य ..... बालकस्य पुस्तकम्।

5. मनोहर एते पुष्पे ..... स्तः।

6. प्रसन्न सा अति ..... अस्ति।

7. शान्त एषा तस्याः ..... बालिकायाः माला।

8. सरल अस्य पुस्तकस्य पाठाः ..... सन्ति।

9. परिचित ताः बालिकाः मम ..... सन्ति।

10. शीतल तस्य घटस्य जलं ..... अस्ति।

4.6 सा. 'हाँ-नहीं' उत्तरवाले प्रश्न पूछना. अपि का प्रयोग प्रायः ऐसे प्रश्नों के आरम्भ में प्रश्नवाचक के रूप में किया जाता है जिनका उत्तर **हाँ** या **नहीं** में दिया जा सकता है। ऐसे प्रश्न में **किम्** का प्रयोग भी किया जाता है। वाक्य के अन्त में अनुतान से (आवाज़ को उठाकर) भी वाक्य को प्रश्नवाचक बनाया जा सकता है। सकारात्मक उत्तर के लिए **आम्** शब्द का प्रयोग होता है, जैसे– **अपि तत् तव गृहम्**?– क्या वह तुम्हारा घर है? **आम्, तत् मम गृहम्**– हाँ, वह मेरा घर है। न, तत् मम गृहं न अस्ति- नहीं, वह मेरा घर नहीं है।

4.7 सा. च (और) का प्रयोग या तो उन सभी शब्दों में से प्रत्येक के बाद होता है जिन्हें यह जोड़ता है या फिर केवल अन्तिम शब्द के बाद होता है।

पुष्पं च पत्रं च–फूल और पत्तो। **अहं च त्वं च**– मैं और तुम।

पुस्तकं, माला, पत्रं, फलं च–पुस्तक, माला, पत्र और फल।

4.8 अ. नीचे दिए वाक्यों को बोलकर पढ़िए और उनका हिन्दी में अनुवाद कीजिएः

1. एषः पाठः सरलः अस्ति। 2. तत् वनं शान्तम् अस्ति। 3. सः वृक्षः विशालः अस्ति। 4. ते बालकाः अति चपलाः सन्ति। 5. अहं प्रसन्नः अस्मि। 6. अपि यूयं प्रसन्नाः स्थ? 7. आम्, वयं प्रसन्नाः स्मः। 8. अपि एतानि फलानि मधुराणि सन्ति? 9. आम्, एतानि फलानि मधुराणि सन्ति। 10. रमेशः च तस्य भ्राता च भगिनी च अत्र सन्ति। 11. तस्य पिता अपि अत्र अस्ति? 12. न, सः अत्र न अस्ति। 13. ते बालिके मम परिचिते स्तः। 14. तानि चित्राणि अति मनोहराणि सन्ति। 15. तस्याः नेत्रे विशाले।

4.9 सा. संस्कृत अव्यय. संस्कृत में जब संज्ञाओं, सर्वनामों, विशेषणों, और क्रियाओं का वाक्यों में प्रयोग होता है तो उनके रूपों में परिवर्तन होता है। परन्तु संस्कृत में कुछ ऐसे भी शब्द हैं जिनका रूप सदा एक ही रहता है। क्योंकि इनके रूप में कोई परिवर्तन नहीं होता इसलिए इन्हें **अव्यय** कहते हैं। ये अव्यय प्रायः क्रिया-विशेषणों का कार्य करते हैं यानी ये क्रिया के काल, स्थान, पध्दति या अवस्था आदि को प्रदर्शित करते हैं। आगे कुछ स्थानवाचक अव्यय दिए गए हैं:-

अत्र	यहाँ	**यत्र**	जहाँ
तत्र	वहाँ	**यत्र-तत्र**	यहाँ-वहाँ, जहाँ-तहाँ
कुत्र	कहाँ	**निकटे**	पास
सर्वत्र	सब जगह	**दूरे**	दूर
अधः	नीचे	**उपरि**	ऊपर

4.10 प. नीचे दिए गए वाक्यों को बोलकर पढ़िए और हिन्दी में अनुवाद कीजिएः

क. 1. अपि त्वं छात्रः असि? 2. आम्, अहं छात्रः अस्मि। 3. एते बालकाः अपि छात्राः सन्ति। 4. अत्र किम् अस्ति? 5. अत्र मम पुस्तकम् अस्ति। 6. पुस्तकस्य उपरि किम् अस्ति? 7. पुस्तकस्य उपरि चित्राणि सन्ति। 8. पुस्तकस्य अधः किम् अस्ति? 9. पुस्तकस्य अधः किमपि न अस्ति। 10. तव गृहं कुत्र अस्ति? 11. मम गृहं दूरे न अस्ति, निकटे अस्ति। 12. मम पिता च माता च तत्र स्तः। 13. अपि एतानि चित्राणि तयोः सन्ति? 14. आम्, एतानि चित्राणि तयोः सन्ति। 15. तव चित्रं कुत्र अस्ति? 16. मम चित्रम् अत्र अस्ति।

ख. 1. अपि यूयं छात्राः स्थ? 2. आम्, वयं छात्राः स्म। 3. युष्माकं विद्यालयः कुत्र अस्ति? 4. अस्माकं विद्यालयः वाटिकायाः निकटे अस्ति। 5. तत्र विशालाः वृक्षाः सन्ति। 6. तत्र चटकाः अपि सन्ति। 7. सः अस्माकं शिक्षकः। 8. यत्र विद्यालयाः तत्र शिक्षकाः। 9. यत्र छात्राः तत्र पुस्तकानि। 10. किं यूयम् ईश्वरस्य भक्ताः स्थ? 11. आम्, वयम् ईश्वरस्य भक्ताः स्मः। 12. ईश्वरः कुत्र अस्ति? 13. ईश्वरः सर्वत्र अस्ति। 14. सः एव सर्वत्र अस्ति।

4.11 अ. नीचे दिए गए वाक्यों के रिक्त स्थानों को निम्नलिखित क्रियारूपों में से सही रूप चुनकर भरिएः

अस्ति, स्तः, सन्ति, असि, स्थः, स्थ, अस्मि, स्वः, स्मः

1. सः अस्माकं विद्यालयस्य छात्रः ..... ।
2. ते अस्माकं विद्यालयस्य शिक्षकाः .....।
3. वयं बालकाः .....।
4. यूयं बालिकाः ..... ।
5. अहम् अत्र शिक्षकः ..... ।
6. अस्माकं माता तत्र ..... ।
7. त्वं मम भ्राता ..... ।
8. एते मम पुस्तके .....।

4.12 अ. बाएँ कालम में दिए गए वाक्यों में रिक्त स्थानों की पूर्ति उनके सामने दाएँ कालम में दिए गए सर्वनामों में से सही सर्वनाम चुनकर कीजिएः

1. .....मम पुस्तकम् अस्ति।	सः, ते, तत्, तानि
2. .....नाम रमेशः अस्ति।	तौ, एताः, तस्य, तानि
3. .....चित्राणि मम सन्ति?	ते, एतत्, एतानि, तौ
4. .....छात्राः स्थ।	युवाम्, यूयम्, त्वम्, ते
5. सा .....माता अस्ति।	आवाम्, आवयोः, यूयम्
6. .....अस्माकं शिक्षकाः सन्ति।	तौ, तानि, युवाम्, ते
7. .....बालिकाः स्मः।	आवाम्, वयम्, यूयम्, ताः
8. एषा ..... वाटिका अस्ति।	अस्माकम्, तानि, तौ, सा
9. .....चित्राणि मम सन्ति।	ते, एते, एतत्, तानि

4.13 प. आइए, अब हम मन की चंचलता के बारे में एक श्लोक पढ़ेंः

यूयं वयं, वयं यूयम्, इति[1] आसीत्[2] मतिः[3] आवयोः।
किं जातम्[4] अधुना[5] येन[6] यूयं यूयं, वयं वयम्॥

(**शब्दार्थ**: **1.** ऐसी, **2.** थी (अस्ति का भूतकाल), **3.** विचार, समझ, **4.** हो गया, **5.** अब, **6.** जिस कारण से)

4.14 अ. नीचे दिए गए वाक्यों का संस्कृत में अनुवाद कीजिएः

1. मेरा घर यहाँ है। 2. वे (सः) मेरे पिता जी हैं। 3. वे (सा) मेरी माता जी हैं। 4. मैं विद्यार्थी हूँ। 5. मेरा विद्यालय वहाँ है। 6. वह व्यक्ति मेरे अध्यापक हैं। 7. वह मेरी पुस्तक है। 8. तुम्हारी पुस्तक कहाँ है? 9. मेरी पुस्तक यहाँ है। 10. तुम्हारे पत्र वहाँ हैं।

4.15 नीचे दिए गए वाक्यों का हिन्दी में अनुवाद कीजिएः

1. तव नाम किम् अस्ति? 2. मम नाम विवेकः अस्ति। 3. तस्याः नाम रमा अस्ति। 4. सा मम भगिनी अस्ति। 5. ताः बालिकाः चपलाः न सन्ति। 6. तस्याः गृहं कुत्र अस्ति? 7. तस्याः गृहं निकटे अस्ति। 8. अपि ते छात्राः सन्ति? 9. आम्, ते छात्राः सन्ति। 10. एतद् गृहम् अस्माकं अस्ति।

अभ्यासों के उत्तर

4.3 क. 1. मैं लड़का हूँ। 2. तुम लड़की हो। 3. मेरा नाम रमेश है। 4. मेरा परिवार यहाँ है। 5. ये मेरे पिता जी हैं। 6. ये मेरी माता जी हैं। 7. वह युवक मेरा भाई है। 8. उसका नाम विजय है। 9. यह चित्र विजय का है। 10. वह लड़की मेरी बहिन है। 11. उसका नाम कमला है। 12. यह कमला का चित्र है।

ख. 1. यह मेरा शरीर है। 2. ये मेरे (दो) हाथ हैं। 3. ये मेरे (दो) पैर हैं। 4. यह मेरी नाक है। 5. ये मेरे (दो) कान हैं। 6. ये मेरी (दो) आँखें हैं। 7. ये मेरे बाल हैं। 8. मेरा शरीर बलवान है।

4.5 ii) कोमलानि, **iii)** विशालायाः, **iv)** चंचलस्य, **v)** मनोहरे, अपध्द प्रसन्ना, **vi)** शान्तायाः, **vii)** सरलाः, **viii)** परिचिताः, **ix)** शीतलम् ।

4.8 1. यह पाठ सरल है। 2. वह जंगल शांत है। 3. वह पेड़ बड़ा है। 4. वे लड़के बहुत चंचल हैं। 5. मैं प्रसन्न हूँ। 6. क्या आप सब प्रसन्न हैं? 7. हाँ, हम प्रसन्न हैं। 8. क्या ये फल मीठे हैं? 9. हाँ, ये फल मीठे हैं। 10. रमेश, उसका भाई और बहिन यहाँ हैं। 11. क्या उसके पिताजी भी यहाँ हैं? 12. नहीं, वे यहाँ नहीं है। 13. वे (दोनों) लड़कियाँ मेरी परिचित हैं। 14. वे चित्र बहुत सुंदर हैं। 15. उसकी आँखें बड़ी हैं।

4.10 (क) 1. क्या तुम विद्यार्थी हो? 2. हाँ, मैं विद्यार्थी हूँ। 3. ये लड़के भी विद्यार्थी हैं। 4. यहाँ क्या है? 5. यहाँ मेरी पुस्तक है। 6. पुस्तक के ऊपर क्या है? 7. पुस्तकः के ऊपर चित्र हैं। 8. पुस्तक के नीचे क्या है? 9. पुस्तक के नीचे कुछ भी नहीं है। 10. तुम्हारा घर कहाँ है? 11. मेरा घर दूर नहीं है, पास है। 12. मेरे पिता और माता वहाँ हैं। 13. क्या ये चित्र उन दोनों के हैं? 14. हाँ ये चित्र उन (दोनों) के हैं। 15. तुम्हारा चित्र कहाँ है? 16. मेरा चित्र यहाँ है।

(ख) 1. क्या तुम (सब) विद्यार्थी हो? 2. हाँ, हम (सब) विद्यार्थी हैं। 3. तुम्हारा विद्यालय कहाँ है? 4. हमारा विद्यालय बाग के पास है। 5. वहाँ बड़े पेड़ हैं। 6. वहाँ चिड़ियाँ भी हैं। 7. वह हमारा अध्यापक है। 8. जहाँ विद्यालय हैं वहाँ अध्यापक हैं। 9. जहाँ विद्यार्थी हैं वहाँ पुस्तकें हैं। 10. क्या तुम (सब) ईश्वर के भक्त हो? 11. हाँ, हम ईश्वर के भक्त हैं। 12. ईश्वर कहाँ है? 13. ईश्वर सभी जगह है। 14. वह ही सब जगह है।

4.11 1. अस्ति, 2. सन्ति, 3. स्मः, 4. स्थ, 5. अस्मि, 6. अस्तिः, 7. असि, 8. स्तः।

4.12 1. तत्, 2. तस्य, 3. एतानि, 4. यूयम्, 5. आवयोः, 6. ते, 7. वयम्, 8. अस्माकम्, 9. तानि।

4.13 आप हम हैं, हम आप हैं, ऐसा हम दोनों का विचार था। अब क्या हो गया कि जिससे आप आप हो गए और हम हम।

4.14 1. मम गृहम् अत्र अस्ति। 2. सः मम पिता (अस्ति)। 3. सा मम माता (अस्ति)। 4. अहं छात्रः अस्मि। 5. मम विद्यालयः तत्र अस्ति। 6. सः जनः मम शिक्षकः अस्ति। 7. तत् मम पुस्तकम्। 8. तव (युष्माकं) पुस्तकं कुत्र अस्ति? 9. मम पुस्तकम् अत्र अस्ति। 10. युष्माकं (तव) पत्रणि तत्र सन्ति।

4.15 1. तुम्हारा नाम क्या है? 2. मेरा नाम विवेक है। 3. उसका नाम रमा है। 4. वह मेरी बहिन है। 5. वे लड़कियाँ चंचल नहीं है। 6. उसका (स्त्री) घर कहाँ है? 7. उसका घर पास है। 8. क्या वे विद्यार्थी हैं? 9. हाँ, वे विद्यार्थी हैं। 10. यह घर हमारा है।